

राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन के 54वें महाधिवेशन का उद्घाटन किया

लखनऊ: 20 अप्रैल, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन के 54वें महाधिवेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर आर0एम0 सक्सेना, इंजीनियर कप्तान सिंह तथा इंजीनियर अख्तर अली फारूकी को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया। महाधिवेशन में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन की पदाधिकारीगण सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत इंजीनियर्स ने भी प्रतिभाग किया।

राज्यपाल ने इंजीनियर्स एसोसिएशन के महाधिवेशन में अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि देश के विकास में इंजीनियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी संस्था की गरिमा उसके काम से बढ़ती है। कैसे काम करना है अभियंता इस पर विचार करें। गुणवत्ता, प्रमाणिकता व पारदर्शिता से काम करने का संकल्प लें। बड़ी परियोजनाओं को लेते समय टाइम ओवर रन और कास्ट ओवर रन का ध्यान रखना जरूरी है। इंजीनियर्स के लिए समय और निर्धारित बजट के अंदर निर्माण करना ही सुशासन है। समय सीमा में काम पूर्ण होने पर जनता को ज्यादा लाभ मिलता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुये दूरदर्शिता से निर्माण कार्य हों। उन्होंने कहा कि अभियंता का पेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

श्री नाईक ने कहा कि प्रदेश को विकास की दिशा पर ले जाने के लिये इंजीनियर्स की सेवा महत्वपूर्ण आधार है। वार्षिक अधिवेशन मार्गदर्शन प्राप्त करने तथा संवाद प्रक्रिया का हिस्सा होता है। संगठन और शासन के सहयोग से आगे बढ़ा जा सकता है। भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही को समाप्त करने पर विचार करें। सरकार और संगठन के पदाधिकारियों के बीच निरन्तर संवाद होते रहना से समस्याओं का समाधान निकलता है। उन्होंने कहा कि अभियंता काम के प्रति समर्पण और उसकी गुणवत्ता से अपनी पहचान बनायें।

कार्यक्रम के अध्यक्षता इंजीनियर अजय कुमार सिंह द्वारा की गयी। उनके द्वारा अभियंताओं की समस्या के संबंध में एक ज्ञापन भी राज्यपाल को दिया गया। राज्यपाल ने ज्ञापन पर नियमानुसार कार्यवाही हेतु उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन को आश्वासन दिया है। कार्यक्रम में राज्यपाल ने एसोसिएशन की स्मारिका का विमोचन भी किया।

उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन के निर्वतमान अध्यक्ष इंजीनियर सीताराम सोनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारीगण द्वारा भी अपने विचार रखे गये।

अंजुम/ललित/राजभवन (146/25)



